आइआइएम रांची के दीक्षांत समारोह में केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा ने कहा

छात्र आगे आयें, देश के लिए सपना देखें

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत सिन्हा ने आइआइएम रांची के विद्यार्थियों से कहा : विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत आज 11वें स्थान से छठे स्थान पर पहुंच चुका है. देश ने इस स्थान को हाल के वर्षों में प्राप्त किया है. हमारी जीडीपी महंगाई दर के विपरीत सात फीसदी की दर से बढ़ रही है. यही वजह है कि जीडीपी के टर्म में हम तीसरी आर्थिक उभरती हुई शक्ति हैं. वह भी बिना किसी आर्थिक बोझ के. उन्होंने कहा कि 2014 से पहले तक हमारी स्थिति डांवाडोल थी. आज जब पूरी दुनिया हमें उभरती हुई अर्थव्यवस्था मान रही है, तो यह ऐसे ही नहीं हुआ है. हमने प्रोडक्टिविटी कैपेसिटी बढ़ायी है. आज, जो छात्र यहां से अपनी डिग्री ले रहे हैं, वे ऐसे दौर में हैं जब उनके पास देश और खुद को आगे ले जाने के कई अवसर हैं. श्री सिन्हा शनिवार को खेलगांव स्थित रामदयाल मुंडा कला भवन के ऑडिटोरियम में आयोजित आइआइएम रांची के आठवें दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि आप विद्यार्थियों को आगे आकर देश के लिए सपना देखना है.

विद्यार्थियों को डिग्री देते केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत सिन्हा.

आठ पीएचडी सहित 268 डिग्रियां बांटी गयी

आठवें दीक्षांत समारोह में आठ विद्यार्थियों को डॉक्टर ऑफ फिलोशफी की डिग्री दी गयी. वहीं विभिन्न प्रोग्राम से कुल 268 डिग्रियां बांटी गयी. जिसमें एमबीए से 179, एमबीए-एचआरएम से 62 व पीजीइएक्सपी से 27 विद्यार्थी शामिल हैं. इसके अतिरिक्त कई विद्यार्थियों को कई अकादमिक अवार्ड दिया गया. शुभदीप भट्टाचार्य को आशीष हजेला अवार्ड से नवाजा गया.

इन्हें मिला अवार्ड

एमबीए (2017-19 बैच)

- प्रथम स्थान (अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नस पदक और योग्यता प्रमाणपत्र) : तरुण चौधरी
- द्वितीय स्थान (निदेशक पदक व योग्यता प्रमाणपत्र) : अंकित मेहता
- तृतीय स्थान (कार्यक्रम अध्यक्ष पदक व योग्यता प्रमाणपत्र) : आयुषी अग्रवाल
- चतुर्थ स्थान (बुक प्राइज विनर) : बैड विनीत जतनलाल
- पंचम स्थान (बुक प्राइज विनर) : दीपक वर्मा

एमबीए-एचआरएम (2017-19 बैच)

- प्रथम (अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नस पदक और योग्यता प्रमाणपत्र) : एमवीएस सुधीर
- द्वितीय (निदेशक पदक व योग्यता प्रमाणपत्र) : जॉय कुंडु
- तृतीय (कार्यक्रम अध्यक्ष पदक व योग्यता प्रमाणपत्र) : साक्षी गुप्ता
- चतुर्थ (बुक प्राइज विनर) : विशाखा भारद्वाज पी
- पंचम (बुक प्राइज विनर) : ऐश्वर्या श्रीनिवासन

पीजीइएक्सपी (2017-19 बैच)

- प्रथम (अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नस पदक और योग्यता प्रमाणपत्र) : सुजीत कुमार
- द्वितीय (निदेशक पदक व योग्यता प्रमाणपत्र) : अजीत कुमार पात्रा
- तृतीय (कार्यक्रम अध्यक्ष पदक व योग्यता प्रमाणपत्र) : आराधना सुमन
- चतुर्थ (बुक प्राइज विनर) : नवीन ठाकुर
- पंचम (बुक प्राइज विनर) : अखिलेश उपाध्याय

सिर्फ लाभ के बारे नहीं सोचें, स्थायित्व पर भी ध्यान दें

आइआइएम रांची के निदेशक शैलेंद्र कुमार सिंह ने संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि डिप्लोमा कोर्स के साथ शुरू हुआ यह संस्थान आज डिग्री और पैलो तक पहुंच गया है. आइआइएम रांची में 31 शिक्षक हैं, जो अपने-अपने क्षेत्र के दिग्गज हैं. उन्होंने संस्थान द्वारा उठाये गये कदम की चर्चा करते हुए कहा कि लीडरशिप, पॉलिसी व गवर्नेस की समझ विकसित करने के लिए अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी व गवर्नेस शुरू किया गया है. ट्राइबल अध्ययन में भी बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज के माध्यम से सहयोग कर रहा है. विद्यार्थियों से कहा : आप जहां भी काम करें, वहां सिर्फ लाभ के बारे नहीं सोचें. संस्थान के स्थायित्व पर भी ध्यान दें.

Prabhat Khabar, 17.03.2019, Pg. 21